

प्रेषक,

अरुण कुमार ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 25 अप्रैल, 2008

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत विकलांग व्यक्तियों के कल्याण से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 267/XXVII/(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष में ₹ 57,00,000/- (₹ 57 सत्तावन लाख मात्र) एवं आयोजनेत्तर पक्ष में ₹ 75,93,000/- (₹ 75 पचहत्तर लाख तिरानवें हजार मात्र) की धनराशि संलग्नानुसार निम्नलिखित निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य /लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनागत/आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।

7. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
10. समस्त उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध करायें।
11. बी०एम०-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
12. लाभार्थियों को पेंशन/छात्रवृत्ति वितरण के सम्बन्ध में निम्नानुसार प्रक्रिया का पालन किया जाय:-
 1. लाभार्थियों को पेंशन/छात्रवृत्ति का भुगतान लाभार्थी के डाकघर बचत खाते के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
 2. प्रत्येक जनपद के लाभार्थियों की सूची हार्ड एवं साफ्ट कॉपी में, सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सम्बन्धित जनपद के प्रवर डाकघर अधीक्षक/डाकघर अधीक्षक को अग्रिम रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
 3. प्रत्येक जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा वांछित धनराशि का एक चैक, जो कि सम्बन्धित जनपद के प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर के पक्ष में देय होगा, को लाभार्थियों की सूची सहित उपलब्ध कराया जायगा।
 4. चैक प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीतर लाभार्थियों के बचत खाते में पेंशन/छात्रवृत्ति की धनराशि जमा करनी आवश्यक होगी।
 5. दिनांक 15 नवम्बर, 2007 को डाक विभाग, उत्तराखण्ड परिमंडल के साथ समाज कल्याण विभाग द्वारा किये गये एम०ओ०यू० के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-15 के "आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष" में संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक ईकाईयों के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या 23(P)XXVII(3)/2008-09 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : अधीक्षक

भवदीय,
(अरुण कुमार ढोंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : २६५/XVII-02/08-10(10) 2008, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊ, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. आयुक्त निःशक्तजन उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,
(आर० के० चौहान)
अनु सचिव।

अनुदान संख्या-15

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-05-00
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
 लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण
 उप शीर्षक : 05-दक्ष विकलांग कर्मचारियों एवं उनके सेवायोजकों को राज्य स्तरीय पुरस्कार
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	अवॉटित धनराशि
04-यात्रा व्यय	200
42-अन्य व्यय	4800
योग	5000

(रुपये पचास लाख मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-06-00
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
 लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण
 उप शीर्षक : 06-विकलांग व्यक्तियों को पुनर्वास हेतु दुकान निर्माण योजना
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	अवॉटित धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	700
योग	700

(रुपये सात लाख मात्र)

(धनराशि हजार रुपये में)

अनुदान संख्या-15 (आयोजनागत) का महायोग	5700
---------------------------------------	------

(रु0 सत्तावन लाख मात्र)

(आर0 के0 चौहान)
 अनु सचिव।

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-04-00

मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण

उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण

लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण

उप शीर्षक : 04-विभिन्न श्रेणी के विकलांगों के लिए आश्रित कर्मशालाएं व प्रशिक्षण केन्द्र

ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	अवटित धनराशि
01-वेतन	1300
02-मजदूरी	5
03-महंगाई भत्ता	975
04-यात्रा व्यय	20
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	20
06-अन्य भत्ते	143
08-कार्यालय व्यय	20
09-विद्युत देय	50
10-जलकर/जलप्रभार	10
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	10
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	175
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	20
31-सामग्री और सम्पूर्ति	75
41-भोजन व्यय	150
45-अवकाश यात्रा व्यय	20
48-महंगाई वेतन	650
योग	3643



(रुपये छत्तीस लाख तिरालीस हजार मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-07-00
मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण
उप शीर्षक : 07-विकलांग युवक/युवतियों से शादी करने पर प्रोत्साहन
ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
20-सहायक अनुदान/अशंदान/राज सहायता	1500
योग	1500

(रु० पन्द्रह लाख मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-08-00
मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण
उप शीर्षक : 08-विकलांग शिविरों/सेमिनारों का आयोजन
ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
42-अन्य व्यय	150
योग	150

(रु० एक लाख पचास हजार मात्र)

[Signature]

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

- लेखाशीर्षक : 2235-02-101-09-00
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
 लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण
 उप शीर्षक : 09-विकलांगों के लिए छात्रवृत्तियां/छात्रवेतन
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
21-छात्रवृत्तियां और छात्रवेतन	2000
योग	2000

(रु० बीस लाख मात्र)

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

- लेखाशीर्षक : 2235-02-101-91-01
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
 लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण
 उप शीर्षक : 91-जिला योजना
 ब्यौरेवार शीर्षक : 01-शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग, श्रवण सहायक यंत्र आदि खरीदने के लिए सहायता-जिला योजना।

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आवंटित धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	300
योग	300

(रु० तीन लाख मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या-15 (आयोजनेत्तर) का महायोग	7593
---	------

(रु० पचहत्तर लाख तिरानवे हजार मात्र)

(आर० के० चौहान)
 अनु सचिव।